कुमार जीवन - 52

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों के प्रति विशेष** :- कुमार, ब्रह्माकुमार तो बन ही गये। लेकिन ब्रह्माकुमार बनने के बाद फिर क्या बनना है? शक्तिशाली कुमार। जब तक शक्तिशाली नहीं बने तो विजयी नहीं बन सकते। शक्तिशाली कुमार सदा नालेज़फुल और पावरफुल आत्मा होंगे। **नालेज़फुल अर्थात् रचता को भी जानने वाले, रचना को भी जानने वाले और माया के भिन्न-भिन्न रूपों को भी जानने वाले।** ऐसे नालेज़फुल पावरफुल सदा विजयी हैं।

➳ _ ➳ **नालेज जीवन में धारण करना अर्थात नालेज़ को शस्त्र बना देना।** तो शस्त्रधारी शक्तिशाली होंगे ना। आज मिलिट्री वाले शक्तिशाली किस आधार से होते हैं? शस्त्र हैं, बन्दूक हैं तो निर्भय हो जाते हैं। तो नालेज़फुल जो होगा वह पावरफुल ज़रूर होगा।

➳ _ ➳ तो माया की भी पूरी नालेज़ है। क्या होगा कैसे होगा पता नहीं पड़ा, माया कैसे आ गई, यह नालेज़फुल नहीं हुए। नालेज़फुल आत्मा पहले से ही जानती है। जैसे समझदार जो होते हैं वह बीमारी को पहले से ही जान लेते हैं। बुखार आने वाला होता तो पहले से ही समझेंगे कि कुछ हो रहा है, पहले से ही दवा लेकर अपने को ठीक कर देंगे और स्वस्थ हो जायेंगे। बेसमझ को बुखार आ भी जायेगा तो चलता-फ़िरता रहेगा और बुखार बढ़ता जायेगा। **ऐसे ही माया आती है लेकिन आने के पहले ही समझ लेना और उसे दूर से ही भगा देना। तो ऐसे समझदार शक्तिशाली कुमार हो ना!**

➳ _ ➳ सदा विजयी हो ना! या आपको भी माया आती और भगाने में टाइम लगाते हो। शक्ति को देखकर दूर से ही दुश्मन भाग जाता है। अगर आ जावे फिर उसे भगाओ तो टाइम भी वेस्ट और कमज़ोरी की आदत पड़ जाती है। कोई बार-बार बीमार हो तो कमज़ोर हो जाता है ना! या बार-बार पढ़ाई में फेल हो तो कहेंगे यह पढ़ने में कमज़ोर है। ऐसे माया बार-बार आये और वार करती रहे तो हार खाने की आदती हो जायेंगे। और बार-बार हार खाने से कमज़ोर हो जायेंगे। इसलिए शक्तिशाली बनो। ऐसी **शक्तिशाली आत्मा सदा प्राप्ति का अनुभव करती है, युद्ध में अपना समय नहीं गँवाती। विजय की खुशी मनाती है।** तो कभी किसी बात में कमज़ोरी न हो। **(30-01-1985)**

➢➢ पुरुषार्थियों के लिए माया के भिन्न भिन्न रूप कौन से हैं ?

➳ _ ➳ मैं के रूप में

➳ _ ➳ अहंकार के रूप में

➳ _ ➳ संस्कारों की टक्कर के रूप में

➳ _ ➳ नाम, मान शान के रूप में

➳ _ ➳ पुरुषार्थहीन / श्रीमत का उल्लंघन करने वाली आत्माओं के प्रति सूक्षम घृणा का भाव

➳ _ ➳ मैं राईट हूँ...

➳ _ ➳ मेरे विचार / मेरा चिंतन ठीक है

➳ _ ➳ मेरा सब कुछ बिलकुल एक्यूरेट है

➳ _ ➳ मैं पुराना हूँ... अनुभवी हूँ...

➳ _ ➳ मुझे सब अछे से जानते हैं

➳ _ ➳ Social Networking Sites से उत्पन्न होने वाली मैत्री

➢➢ विकारों से मुक्ति

➳ _ ➳ सबसे पहले यह स्वीकार कीजिये की

→ यह विकार मुझमें हैं

- और यही सबसे मुश्किल कार्य है

➳ _ ➳ आप उसे तो जगा सकते हैं जो सो रहा है

→ पर जो सोने का ढोंग कर रहा है... आप उसे नहीं जगा सकते

➳ _ ➳ जो मरीज़ मान ले की मैं बीमार हूँ... आप उसे तो ठीक कर सकते हैं

→ पर जो मरीज ये मानने को तैयार ही नहीं की वह बीमार है.. तो आप उसे कैसे ठीक करेंगे ?